

धोरण - 7

हिन्दी

## 7. बढ़े कहानी

अध्यास / स्वाध्याय

Sem - 2

# अध्यास

प्रश्न 1. ढाँचे के आधार पर कहानी का कथन और लेखन  
कीजिए :

एक बादशाह - वजीर की निवृत्ति के बाद उस पद के  
लिए उम्मीदवार बुलवान - कठिन परीक्षा - तीन उम्मीदवारों का  
बादशाह तक पहुँचना - बादशाह का तीनों को एक ही सवाल -  
"मेरी और तुम्हारी दाढ़ी में एक साथ आग लग जाए तो  
क्या करोगे?"

पहला - मैं पहले अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। दूसरा - मैं पहले मैं आपकी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। तीसरा - मैं एक हाथ से आपकी और दूसरे हाथ में अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। - बादशाह - पहला स्वार्थी, दूसरा नादान एवं तीसर बुद्धिमान है, अतः तीसरे को वजीर पद के लिए नियुक्त करना।

## नए वजीर का चुनाव अथवा चतुर बादशाह

एक बादशाह था। उसका वजीर बहुत बूढ़ा हो गया तो उसकी निवृत्ति का समय आया। तब बादशाह ने वजीर के पद के लिए नए उम्मीदवार बुलवाए।

वजीर का पद बहुत इज्जत का था। इसलिए उसके लिए बहुत से उम्मीदवार आए। उन सबकी कठिन परीक्षा ली गई। परीक्षा में सफल तीन उम्मीदवारों को बादशाह के पास भेजा गया। उन्हीं तीन में से किसी एक को वजीर चुनना था।

बादशाह ने बारी-बारी से तीनों को अपने पास बुलाया और प्रत्येक उम्मीदवार से एक ही सवाल पूछा, "मेरी और तुम्हारी दाढ़ी में एक साथ आग लग जाए तो तुम क्या करोगे?

इस प्रश्न के उत्तर में पहले उम्मीदवार ने कहा, "मैं पहले अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा।" दूसरे उम्मीदवार ने कहा, "मैं पहले आपकी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा।" तीसरे उम्मीदवार का जवाब था, "मैं एक हाथ से आपकी और दूसरे हाथ से अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा।"

तीनों के उतर सुनकर बादशाह ने कहा, "पहले उम्मीदवार की बात से लगता है कि वह स्वार्थी है। दूसरे के जवाब से लगता है कि वह नादान है। तीसरे जवाब से मालूम होता है कि वह बुद्धिमान है।" बादशाह ने तीसरे उम्मीदवार को ही नए वर्जीर के पद पर नियुक्त कर लिया।"

## प्रश्न 2. कहानी आगे बढ़ाइए :

एक चरवाहा था। एक बार जंगल की ओर बकरियाँ चराने गया। चरवाहा पेड़ के नीचे बैठा था और एक बकरी अकेली थोड़े दूर निकल गई। वहाँ कहीं से एक भेड़िया आ पहुँचा। उसने बकरी से कहा, "मैं तुझे खाऊँगा ..

(अब आप बकरी की जान बचाकर कहानी पूर्ण कीजिए।)

➤ ... मुझे बड़ी भूख लगी है। अच्छा हुआ तू यहाँ आ गई।“  
बकरी पहले तो बहुत घबराई। फिर उसने हिम्मत से काम  
लिया। वह बोली, “आप मुझे खाना चाहते हैं तो कोई बात नहीं,  
परंतु पहले आप मेरा एक गाना सुन लीजिए।” भेड़िया बोला,  
“चलो ठीक है, सुना तू अपना गाना।”

बकरी जोर-जोर से 'मैं-मैं' करने लगी। आवाज सुनकर  
चरवाहा लाठी लेकर वहाँ आ पहुँचा। उसे देखकर भेड़िया भाग  
गया और बकरी की जान बच गई।

**सीख :** मुसीबत आने पर घबराना नहीं चाहिए। हिम्मत और युक्ति से काम लेने पर मुसीबत दूर हो सकती है।

**प्रश्न 3.** टीवी, रेडियो, टेपरिकार्डर और मोबाइल फोन के माध्यम से कहानी दिखाना या सुनाना, बाद में बारी-बारी से कक्षा में कहानी का वर्णन करवाना।

➤ छात्र ध्यानपूर्वक कहानी देखें या सुनें। फिर वे एक के बाद एक देखे या सुने अनुसार कहानी का वर्णन करें।

## प्रश्न 4. दिए गए ढाँचे के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए:

एक नाई - चमत्कारी मुर्गी मिलना - मुर्गी का रोज सोने  
का एक अंडा देना - नाई का अमीर हो जाना - शहरभर में चर्चा  
- इज्जत बढ़ना - सारा सोना एक साथ पाने की लालसा जागना  
- मुर्गी को मार डालना - अंडे मिलना बंद होना - लालच में  
सोने के सब अंडे खो देना - सीख।

## लालच का फल

किसी गाँव में एक नाई रहता था। वह बहुत गरीब था। एक दिन वह एक सेठ की हजामत कर लौट रहा था। रास्ते में उसे एक मुर्गी मिल गई। वह मुर्गी बहुत चमत्कारी थी। वह रोज सोने का एक अंडा देती थी। कुछ ही समय में नाई अमीर हो गया। शहरभर में उसकी चर्चा होने लगी। लोगों में उसकी इज्जत बढ़ गई।

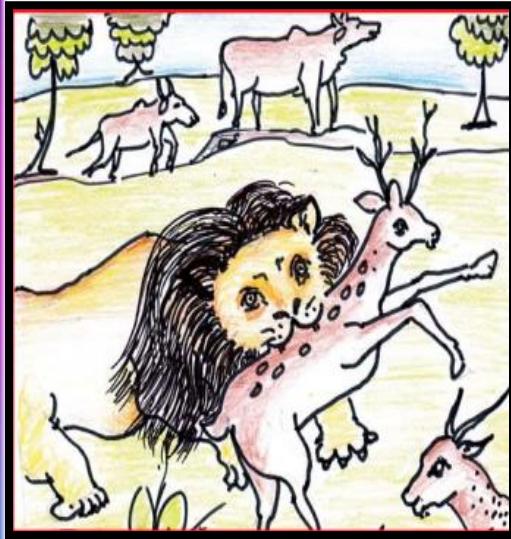
एक दिन नाई ने सोचा कि इस मुर्गी के पेट में तो सोने के बहुत सारे अंडे होंगे। यदि मैं इसका पेट चीर डालूँ तो सोने के सभी अंडे मुझे एक साथ मिल जाएँ। उनको पाकर मैं बहुत धनवान बन जाऊँगा।

ऐसा सोचकर नाई ने मुर्गी को मार डाला। उसे मुर्गी के पेट में से एक भी अंडा नहीं मिला। अब उसे सोने के अंडे मिलना बंद हो गया। नाई को बहुत पछतावा हुआ।

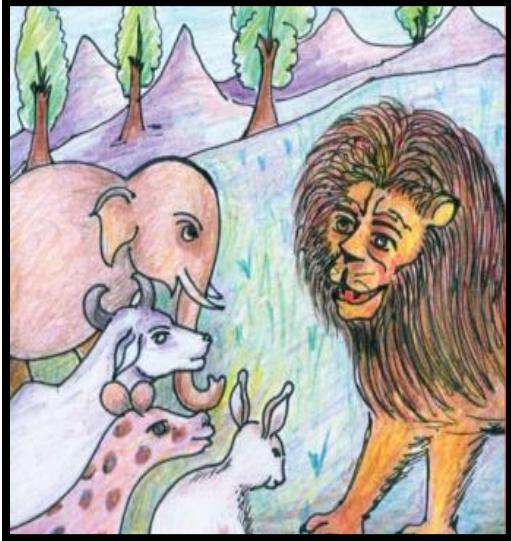
**सीख :** सचमुच, लालच का परिणाम बहुत बुरा होता है।

**प्रश्न 5. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर कहानी का निर्माण**

**कीजिए:** खरगोश की चतुराई अथवा ताकत से अकल  
बड़ी



किसी जंगल में एक सिंह रहता था।  
वह जंगल में रोज कई जानवरों का शिकार  
करता था। इसलिए सब जानवर भयभीत और  
चिंतित रहते थे।

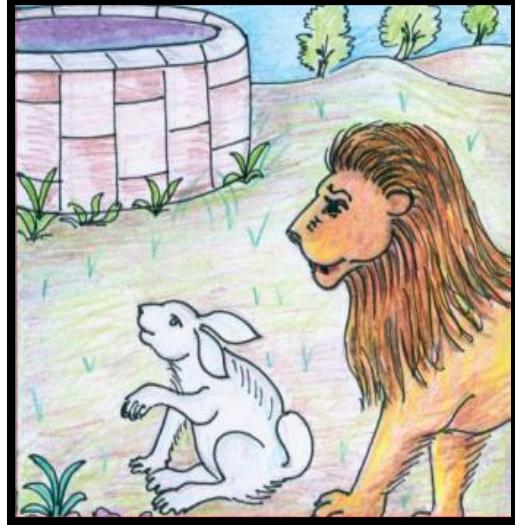


एक दिन जंगल के पशुओं ने  
मिलकर सिंह से प्रार्थना की, "आप  
जंगल में शिकार के लिए न निकलें। हम  
प्रतिदिन निश्चित समय पर एक जानवर  
आपके पास भेज देंगे।

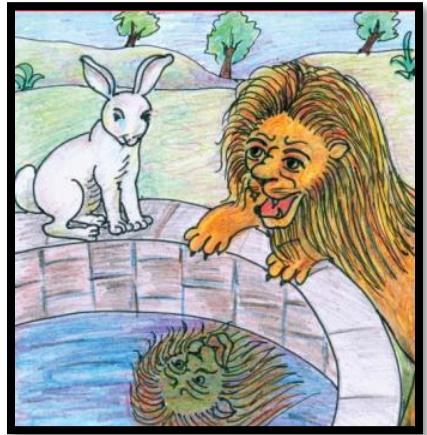
अब निश्चित समय पर रोज एक जानवर सिंह के पास<sup>1</sup>  
आने लगा। एक दिन एक खरगोश की बारी आई। उसने एक  
तरकीब सोची। वह जान-बूझकर सिंह के पास देर से पहुँचा।



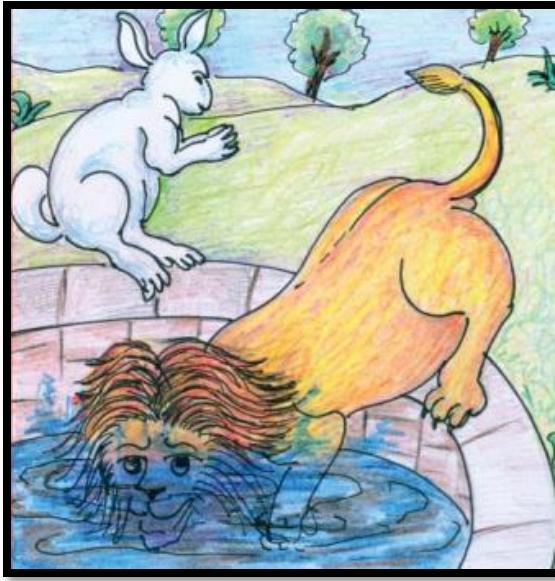
सिंह को बहुत गुस्सा आया। उसने उससे देर से आने का कारण पूछा। खरगोश ने कहा, "महाराज, रास्ते में मुझे एक दूसरा सिंह मिल गया था। वह मुझे मारकर खाना चाहता था। उससे जल्दी वापस लौटने का वादा कर मैं आपके पास आया हूँ।"



जंगल में दूसरा सिंह होने की बात सुनकर सिंह आपे से बाहर हो गया और गरजकर बोला, "चल दिखा मुझे, कहाँ है वह दूसरा सिंह? मैं अभी उसका काम तमाम करता हूँ।" खरगोश सिंह को एक गहरे कुएँ के पास ले गया और बोला, "महाराज, इसीमें छिपा है वह दुष्ट !"



सिंह ने कुएँ में झाँका। कुएँ के पानी में उसे अपनी परछाई दिखाई दी। उसीको दूसरा सिंह समझकर वह कुएँ में कूद पड़ा और डूबकर मर गया। खरगोश की जान बच गई। जंगल के दूसरे जानवरों ने भी राहत की सांस ली और खरगोश को धन्यवाद दिया।



सीख : ताकत से अकल बड़ी होती है।  
जो काम ताकत से न हो,  
उसे अकल से करना चाहिए।

**प्रश्न 6. 'प्यासा कौआ' कहानी में कौआ, मटका, पानी, पत्थर, धूप जैसे: पात्र / वस्तुएँ हैं। ये सब कहानी की प्रतिक्रिया के रूप में 'अपनी प्यारी छोटी चाची' को जो बताते हैं, वह आप लिखिए।**

**जैसे :**

**धूप :**

आज गजब हो गया चाची, एक उड़ते कौए को हेरान करने की शरारत सूझी और मैं उस पर टृट पड़ी।

पल में ही उसका गला सूखने लगा और उसे जोरों  
की प्यास लगी। उसने एक पानी का मटका देखा, पर उसमें  
पानी खुब गहराई में था, उसकी पहुँच के बाहर था। मन-ही-  
मन सोचती थी - बच्य! अब, क्या करोगे? पर वह बड़ा  
अकलमंद निकला उसने पत्थर से पानी निकाला।

► **कौआ :** चार्ची, ऐसी प्यास मुझे कभी नहीं लगी जैसी आज  
लगी। धूप भी तेज थी। मैं उड़ते-उड़ते थक भी गया था।  
गला बुरी तरह सूख रहा था।

तभी मेरी नजर एक मटके पर पड़ी। उसमें पानी देखकर मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन जब मैंने मटके में चोंच डाली, तो वह पानी तक नहीं पहुँची। इधर-उधर बैठकर कई बार प्रयत्न किए, पर कोई सफलता न मिली। पर चाची, तुम्हारा यह भतीजा हार माननेवाला नहीं था। फौरन एक तरकीब सूझी। मैंने आसपास पड़े पत्थर मटके में डाले। पानी ऊपर तक आ गया। मैंने पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई।

**मटका :** चाची, आज एक कौए ने कमाल कर दिया। मुझमें बहुत थोड़ा पानी था। मैं सोचता था किसीने मुझे जरा-सा भी धक्का दिया या किसीकी ठोकर लगी तो यह पानी डुलक जाएगा। लेकिन जैसे दाने-दाने पर उसे खानेवाले का नाम लिखा होता है, वैसे ही बूंद-बूंद पर उसे पीनेवाले का नाम लिखा होता है। इतने में एक चतुर कौआ आया। उसे प्यास लगी थी। परंतु पानी तक उसकी चोंच नहीं पहुँची। तब उसने मुझमें कई पत्थर डाले। पानी की सतह ऊपर उठ गई और कौए ने मजे से पानी पिया। मैं उस चतुर कौए को कभी नहीं भूलूँगी।

पानी : चाची, जिंदगी वही अच्छी है जो किसीके काम आ जाए। मैं एक मटके में था। सोचता था कि मैं धीरे-धीरे भाप बनकर उड़ जाऊँगा। उस भाप से भला किसी का क्या भला होगा? परंतु आज एक कौआ मटके के मुँह पर बैठा। वह बहुत प्यासा था। उसने चौंच मटके में डाली पर वह मुझ तक पहुँच न पाई। तब उसने मटके में पत्थर डाले और जब मैं ऊपर आया, तब उसने मुझे पीकर अपनी प्यास बुझाई।

**पत्थर :** चाची, हम तो खुले में पड़े-पड़े ऊब गए थे। जीवन व्यर्थ लग रहा था। लेकिन आज एक चतुर कौए ने हमारा उपयोग कर हमें चकित कर दिया। उसे एक मटके से पानी पीना था, परंतु पानी तक उसकी चोंच नहीं पहुंचती तब उसने हमें एक-एककर मटके में डाला। पानी ऊपर आ गया। उसने मजे से। पानी पिया और खुश होकर उड़ गया। हम मटके के पानी में चले गए। बहुत मजा आया। सचमुच, चाची, कौआ बड़ा अकलमंद था।

## प्रश्न 7. शब्दों के भेद जानकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

(1) आदि - आरंभ

➤ इस कहानी का आदि और अंत बहुत रोचक हैं।

आदी - अध्यस्त

➤ मैं सुबह जल्दी उठने का आदी हूँ।

(2) अपेक्षा - आशा

➤ मुझे आपसे यही अपेक्षा थी।

उपेक्षा - ध्यान न देना

➤ उसने स्वास्थ्य की उपेक्षा की।

(3) अशक्त - कमज़ोर

➤ बीमारी ने उसे अशक्त बना दिया।

आसक्त - मुग्ध, आकर्षित

➤ राजा सत्यवती पर आसक्त था।

(4) गृह - घर

➤ यह हमारा नया गृह है।

ग्रह - बुध, शुक्र आदि ग्रह

➤ ग्रहों की तरह हमारी पृथ्वी भी एक ग्रह है।

(5) बहार - वसंत

➤ बागों में बहार आई हुई है।

बाहर - सीमा के पार

➤ लोग घरों से बाहर निकल आए।

(6) शौक - चसका, रुचि

➤ मुझे घूमने-फिरने का शौक है।

शौक - दुःख

➤ माँ के मरने पर उसे बहुत शौक हुआ।

# स्वाध्याय

**प्रश्न 1. कहानी आगे बढ़ाइए। कहानी को अपने आप लिखिए:**

(1) एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?" बीरबल ने क्या कहा होगा?  
कहानी आगे बढ़ाइए।

➤ एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?" बीरबल ने फौरन उत्तर दिया, "जहाँपनाह, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली सूरज है।"

अकबर ने पूछा, "कैसे?" तब बीरबल ने कहा, "हुजूर,  
दुनिया में तीन ही बड़ी शक्तियाँ हैं - हवा, पानी और सूरज। एक  
बार इन तीनों में बहस छिड़ गई कि उनमें सबसे अधिक बलवान  
कौन है? तब सूरज ने कोट पहनकर सड़क से गुजरनेवाले एक  
यात्री की ओर संकेत कर कहा - "जो इसका कोट शरीर पर से  
उतरवा दे वही सबसे अधिक बलवान है।"

हवा ने कहा, "इसमें कौन-सी बड़ी बात है। अभी मैं इसका कोट उतरवाकर बताती हूँ।" ऐसा कहकर हवा जोर से चलने लगी। उसने तूफान का रूप ले लिया, पर इससे वह आदमी अपने कोट को और कसकर पकड़े रहा। आखिर हवा ने अपनी हार मान ली।

अब पानी को अपनी ताकत दिखानी थी। जोर की बरसात होने लगी। यात्री एक घने पेड़ के नीचे खड़ा हो गया। फिर भी वह भीग गया, पर अपना कोट नहीं उतारा। कोट के कारण उसकी कमीज और बनियान अधिक नहीं भीगी।

पानी ने भी अपनी हार कबूल कर ली।

अब सूरज की बारी थी। उसने जोर से तपना शुरू किया।

गर्मी से बेहाल होकर यात्री ने कोट उतारकर कंधे पर डाल लिया।

इस तरह सूरज यात्री का कोट उतरवाने में सफल रहा। उसने

अपने को सबसे अधिक शक्तिशाली सिद्ध कर दिखाया।

अकबर बीरबल की बात सुनकर खुश हो गया।

(2) गेंद स्कूटर के साथ कहीं चली गई। उसके बाद गेंद के साथ क्या-क्या हुआ होगा। सोचकर बताओ।

➤ रबर की एक गेंद रास्ते में पड़ी थी। एक स्कूटर वहाँ से गुजरा तो वह उसके एक पहिए में फँस गई। आगे रास्ते में ऊँची-ऊँची घास थी। कोमल-कोमल घास का स्पर्श गेंद को बहुत अच्छा लगा। फिर स्कूटर एक कीचड़वाली जगह गुजरा। कीचड़ के छींटे गेंद पर भी पड़े। गेंद को बहुत बुरा महसूस हुआ, पर क्या करती बेचारी?

स्कूटर आगे बढ़ा तो एक बगीचा आया। स्कूटरवाले को बगीचे में  
फूल लेने थे। उस स्कूटरचालक से बातें करते समय माली के हाथ से  
पानी का पाइप कुछ मुड़ गया। पानी की धार स्कूटर के पहिए में  
फँसी गेंद पर पड़ी। उसमे कीचड़ के छींटे धुल गए। गेंद को ठंडा-ठंडा  
पानी बहुत अच्छा लगा।

माली से फूल लेकर चालक ने स्कूटर पर बैठकर किक मारी  
तो गेंद पहि। से निकलकर उछली और फल के एक गमले में जा  
गिरी। उसी समय माली छोटा बेटा वहाँ आया। उसने कूड़े में गेंद  
पड़ी देखी। गेंद पाकर उसकी खुश का ठिकाना न रहा।

## प्रश्न 2. ढाँचे पर से कहानी लिखिए :

एक कुत्ता- मुँह में रोटी का टुकड़ा - छोटे पुल पर से जाना - पानी में अपनी परछाई देखना - परछाई को दूसरा कुत्ता समझना - रोटी का टुकड़ा छीन लेने के लिए भौंकना - अपना टुकड़ा गवाना - सीख।

### लालची कुत्ता

एक कुत्ता था। एक दिन उसे एक रोटी का टुकड़ा मिल गया।

उसे मुँह में लेकर वह एक छोटी नदी के पुल पर से गुजर रहा था। नदी के पानी में कुत्ते ने अपनी परछाई देखी। परछाई को उसने दूसरा कुत्ता समझ लिया। उसके पास भी रोटी का टुकड़ा था। उसे दूसरे कुत्ते की रोटी छीनने की इच्छा हुई।

कुत्ते ने उस कुत्ते की ओर जोर से भौंकने के लिए जैसे ही मुँह खोला, उसके मुँह की रोटी नदी के पानी में गिर पड़ी। लालच में पड़कर उसने अपनी रोटी भी गवा दी।

**सीख :** सच है, लालच का फल बुरा होता है।

# Thanks



# For watching